सभी कॉलेजों को 2022 तक नेक मूल्यांकन कराना जरूरी

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बंगलुरू व डीएवीवी की कार्यशाला

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् बंगलुरू व देवी अहिल्या विश्वविद्यालय द्वारा सोमवार को महाविद्यालयीन प्राचार्यों व वरिष्ठ शिक्षकों के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को नेक (एनएएसी) की मूल्यांकन प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी देना था। कार्यशाला में विभिन्न महाविद्यालयों से 150 शिक्षकों ने हिस्सा लिया।

कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि मप्र शासन उच्च शिक्षा आयुक्त राघवेंद्रकुमार सिंह ने उच्च शिक्षा की गुणवत्ता

में सुधार के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए प्रतिभागी शिक्षकों को प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2022 तक सभी उच्च शिक्षा संस्थानों को नेक द्वारा मूल्यांकन कराना अनिवार्य कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा यह प्रयास किया जा रहा है कि प्रदेश के सभी विश्वविद्यालय व महाविद्यालय इस प्रक्रिया में शामिल हों और अच्छी ग्रेड पा सकें। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं कुलपति प्रो. रेणु जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारत सरकार द्वारा स्वयं पोर्टल व मुक्त दूरस्थ शिक्षा द्वारा उच्च शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए प्रयास किए जा रहे हैं। आईक्यूएसी निदेशक डॉ. अशोक शर्मा व डॉ. पीएन मिश्रा ने भी संबोधित किया। इस मौके पर कुलसचिव डॉ. अनिल शर्मा भी उपस्थित थे।

नेक दिशा-निर्देशों की दी जानकारी

कार्यशाला के प्रथम सत्र में महाराष्ट्र से आए विशेषज्ञ डॉ. पीएएस नायडू ने 'उच्च शिक्षा संस्थानों में गुणवत्ता के लिए संशोधित मूल्यांकन और प्रत्यायन प्रक्रिया-खोज' विषय पर व्याख्यान दिया। द्वितीय सत्र में आणंद गुजरात से आए विशेषज्ञ डॉ. आरडी मोदी ने 'मात्रात्मक मैट्रिक्स के बारे में जागरूकता' विषय पर व्याख्यान दिया। तृतीय सत्र में आईईटी, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के प्रो. प्रवेश बंसल व ईएमआरसी के निदेशक डॉ. एके सिंह ने 'नेक दिशा-निर्देशों के अनुसार उच्च शिक्षा में सर्वश्रेष्ठ प्रेक्टिस' विषय पर प्रतिभागियों को जानकारी दी। कार्यशाला में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिए गए। आभार एचआरडीसी की निदेशक डॉ. नम्रता शर्मा ने माना।

मुख्य अतिथियों ने डॉ. धाकड़ के योगदान को सराहा

पूर्व कुलपति को मिला विज्ञान विभूषण तो वर्तमान कुलपति का हुआ सम्मान

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति डॉ. नरेन्द्र धाकड़ को शैक्षणिक और सामाजिक क्षेत्र में उनकी सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। उनके स्थान पर कुलपति बनाई गईं डॉ. रेणु जैन का सम्मान सीईटी की परीक्षा पारदर्शिता से करवाने के लिए कांग्रेस के नेताओं द्वारा किया गया।

सालों तक शैक्षणिक कार्य के लिए हुए सम्मानित

विज्ञान परिषद, प्रयाग सेंटर जोधपुर, डॉ. नरेन्द्र धाकड़ अभिनंदन समिति इंदौर और अन्य समितियों ने देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी के पूर्व कुलपति डॉ. नरेन्द्र धाकड़ को विज्ञान विभूषण सम्मान से विभूषित किया। उन्हें यह सम्मान सालों तक शैक्षणिक, सामाजिक और रिसर्च कार्यक्रमों में संलग्न रहने के कारण दिया गया है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल न्यायमूर्ति वीएस कोकजे, मेडिकेप्स यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. सुनील सोमानी और दुर्गादत्त ओझा थे। उन्होंने डॉ. धाकड़ के शैक्षणिक कैरियर को याद करते हुए उनके योगदान की सराहना की।

डॉ. रेणु जैन सहित अधिकारी सम्मानित

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी में कांग्रेस कमेटी के सचिव तेजप्रकाश राणे और अनूप मोदी के नेतृत्व में कुलपति डॉ. रेणु जैन और रजिस्ट्रार अनिल शर्मा का सम्मान-पत्र और पुष्प गुच्छ देकर सम्मान किया गया। सीईटी की परीक्षा पारदर्शिता से करवाने के लिए उन्हें यह सम्मान-पत्र सौंपा गया। इस अवसर पर इससे जुड़े अधिकारीगण व प्रोफेसर्स डिप्टी रजिस्ट्रार अजय वर्मा, प्रज्ज्वल खरे, रचना ठाकुर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. अशेष तिवारी, डीएसडब्ल्यू डॉ. एलके त्रिपाठी, डीसीडीसी सुमंत कटियाल, डॉ. निरंजन श्रीवास्तव, डॉ. चंदन गुप्ता और डॉ. आशुतोष मिश्रा का भी सम्मान किया गया।

डीएवीवी में जल्द शुरू होगा जीएसटी में एक साल का डिप्लोमा कोर्स

दबंग रिपोर्टर ■ इंदौर

डीएवीवी के स्कूल ऑफ कॉमर्स में सोमवार को अंडर ग्रेजुएशन कोर्स (यूजीसी) के दीक्षारंभ कार्यक्रम के तहत इंडक्शन प्रोग्राम 'नवाचार' आयोजित किया गया।

उद्घाटन मप्र शासन उच्च शिक्षा आयुक्त के कमिश्नर व सचिव राघवेंद्रकुमार सिंह, स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन योजना व मप्र उच्च शिक्षा विभाग निदेशक आदित्य लुणावत व स्कूल ऑफ कॉमर्स की विभागाध्यक्ष डॉ. प्रीतिसिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान आदित्य लुणावत ने जीएसटी में एक साल का डिप्लोमा प्रोग्राम स्थापित करने की घोषणा की, साथ ही कहा कि कॉमर्स ग्रेजुएशन के लिए कौशल विकास कार्यक्रम के तहत कम्प्यूटर लैब शुरू होगी।